सार-समाचार

जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का किया स्वागत

बीकानेर,(निसं)। जिले के ग्राम विकास अधिकारियों की जिला कार्यकारिणी द्वारा आज नव पदस्थापित मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमति शैलजा पांडे आई ए एस और जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बीकानेर निशान्त जैन आई ए एस सर से बुके देकर शिष्टाचार भेंट की दोनों अधिकारियों द्वारा जिला कार्यकारिणी के साथ ससम्मान शिष्टाचार वार्ता हुई दोनों ही अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं में जिले को अवल्ल रखने हेतु ग्राम विकास अधिकारियों से आग्रह किया है व परिवार के मुख्या होने के नाते गार्जन की भूमिका निभाने का भरोषा जताया, दोनों ही अधिकारियों का व्यवहार बहुत सरल, सोम्य, मधुर व व्यवहारिक है उम्मीद है दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में हम सब उनके भरोसे पर खरा उतर कर जिले को स्टेट में अवलू रखने में सफल होंगे। वीडीयो संघ की तरफ़ से दोनों ही अधिकारियों द्वारा संघ के मान सम्मान के लिए आप सब की तरफ़ से हार्दिक अभिनन्दन व आभार प्रकट किया शिष्टाचार मुलाक़ात में मेरे साथ जिला मीडिया प्रभारी भागीरथ आचार्य, बीकानेर ब्लॉक अध्क्ष्क्ष लक्ष्मीनारायण जी प्रजापत, बीकानेर ब्लॉक मंत्री गजेंद्र रामावत, कीलचू देवड़ान ग्राम विकास अधिकारी रमेश , डूंगरगढ़ से साथी ग्राम विकास अधिकारी रविन्द्र बिश्नोई उपस्थित रहे।

हुनर हाट प्रदर्शनी के बैनर का विमोचन

बीकानेर (निसं)। श्री ब्राह्मण स्वर्णकार स्वर्ण सुगंधा महिला समिति की हुनर हाट प्रदर्शनी के बैनर का लोकार्पण श्री ब्राह्मण स्वर्णकार तीन गवाड़ पंचायती भवन ट्रस्ट में रखा गया। इस कार्यक्रम में श्री ब्राह्मण स्वर्णकार पंचायती भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों सहित, श्री ब्राह्मण स्वर्णकार पेंशनर्स सोसायटी के अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों सहित, श्री ब्राह्मण स्वर्णकार विकास समिति के अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी सहित, गायक पवन प्यारे, साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार, समाजसेवी रामेश्वर बाडमेरा साधक और समस्त स्टॉल होल्डरों की उपस्थिति में हूनर हाट प्रदर्शनी के बैनर का लोकार्पण किया गया। समिति की अध्यक्ष विमला सोनी मंडोरा ने प्रदर्शनी की जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के रूप मे यह हूनर हाट प्रदर्शनी एक बड़ा कदम है। इसमे सर्व समाज की महिलाऐं भी शामिल है। संस्था सचिव अनिता सोनी ने बताया कि 10, 11 एवं 12 अप्रेल से यह मेला सुबह ग्यारह बजे से रात आठ बजे तक समाज भवन में आयोजित किया गया है। संस्था की कोषाध्यक्ष कंचन सोनी ने हाट मेले में उपलब्ध सामान की जानकारी दी। जिसमें हस्तशिल्प के उत्पाद एवं खाने-पीने के उत्पाद, अक्षय तृतीया को ध्यान में रखते हुए हाथ से कूटे हुए खीच आदि सभी सामान एक ही छत के नीचे मिलेंगे। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष मनीषा आर्य सोनी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

एक ही दिन में 4 जगह से सामने आए कीटनाशी सेवन के मामलें

श्रीगंगानगर,(निसं)। जिले के चार लोगों ने एक ही दिन में संदिग्ध अवस्था में कीटनाशी का सेवन कर लिया। इनको विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। मोरजंडखारी निवासी 30 वर्षीय आशीष कुमार को रात 12:12 बजे जिला अस्पताल लाया गया। अस्पताल के इमरजेंसी स्टाफ के अनुसार युवक की हालत कीटनाशी का सेवन करने से बिगड़ी हुई थी। उपचार जारी है। लालगढ़ जाटान पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरे मामले में खाटलबाना निवासी 23 वर्षीय कर्मवीर को सुबह पौने ग्यारह बजे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। युवक की हालत कीटनाशी के सेवन से बिगड़ी हुई थी। हिंदुमलकोट पुलिस के अनुसार बेहोशी के कारण युवक के बयान दर्ज नहीं हो पाए। तीसरे मामले में 3 क्यू दौलतपुरा निवासी 32 वर्षीय सुखविंद्रसिंह को सुबह 11:30 बजे कीटनाशी का सेवन करने के बाद तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाया गया। मटीली राठान पुलिस बयान लेने पहुंची लेकिन मरीज नोट फिट फोर स्टेटमेंट था। चौथे मामले में 15 एसजेएम निवासी 51 वर्षीय हुकमाराम को शाम साढ़े 5:30 बजे एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अनूपगढ़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लायंस कल्ब बीकानेर मल्टी विजन नए पदाधिकारियों का निर्वाचन

बीकानेर(निसं)। लायंस कल्ब बीकानेर मल्टी विजन की साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कूब अध्यक्ष लायन अरुण जैन ने की। इस दौरान आगामी लॉजिस्टिक सत्र के लिए कूब के नए पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी लायन शशांक सक्सेना ने चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराते हुए परिणामों की घोषणा की। चुनाव के परिणामस्वरूप लायन नीरज कुमार भटनागर को कूब का अध्यक्ष, लायन डॉ. सुचित्रा कश्यप को सचिव तथा लायन चंद्रकांता सोनी को कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया गया।

शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने प्रवेशोत्सव अभियान का किया औचक निरीक्षण

■ लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही करने की निर्देश

शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने प्रवेशोत्सव अभियान में बामनवाली राजकीय विद्यालय का किया औचक निरीक्षण।

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने मंगलवार को जिले के लूणकरनसर ब्लॉक के विभिन्न राजकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम अभियान की समीक्षा की। इसमें विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण निर्माण एवं शैक्षिक सत्र 2026-27 हेतु प्रवेशोत्सव सघन अभियान के लिए जारी विभागीय दिशा-निर्देशों की अनुपालना विद्यालयों द्वारा प्रभावी ढंग से किए जाने का फीडबैक लिया गया। विद्यालयों मे विद्याथिर्यों की उपस्थिति एवं अध्यापन कार्य के बारे मे जाना।

जाट ने बताया कि इस वर्ष प्रवेशोत्सव हेतु सर्वे कार्य समस्त विद्यालयों में चार चरणों में करवाये जाने के निर्देश थे। जिसका प्रथम चरण 27 मार्च एवं द्वितीय चरण 7 अप्रैल से निर्धारित था। निदेशक द्वारा राउमावि बामनवाली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कोई भी विद्यार्थी उपस्थित नहीं पाया गया। संस्था प्रधान द्वारा वर्तमान तक केवल पांच नव प्रवेश होने की जानकारी दी गई, आंगनबाड़ी से विद्यालय में प्रवेश योग्य विद्याथिर्यों का प्रवेश नहीं करवाया गया एवं प्राचार्य द्वारा प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की कार्य योजना प्रस्तुत नहीं की गई। इससे यह स्पष्ट हुआ है कि प्राचार्य राउमावि बामनवाली द्वारा प्रवेशोत्सव के कार्यक्रम में गंभीर लापवाही एवं उदासीनता बरती जा रही है, अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण एवं उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य नहीं किए जाने एवं राज्य सरकार के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में गंभीर लापरवाही बरते जाने के कारण प्राचार्य राउमावि बामनवाली को निलंबित करते हुए इनके विरूद्ध राजस्थान सिविल सेवा (वगीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 16 के तहत कार्यवाही के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए गए।

इसके पश्चात निदेशक द्वारा राउमावि धीरेरा गांव का निरीक्षण किया गया, जिसमें विद्यालय में उपस्थित ग्रामीण जनों, अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ के साथ चर्चा कर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की समीक्षा की एवं अभिभावकों तथा ग्रामीणा से बालक-बालिकाओं को राजकीय विद्यालय में प्रवेश कराने की अपील की गई। इस विद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम से संबंधित व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

तत्पश्चात् निदेशक द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हंसेरा का अवलोकन किया गया। विद्यालय के कुल 16 कार्मिकों में से केवल 9 कार्मिक ही उपस्थित पाए गए। अध्यापिका रजनी बाला अध्यापक ले-2 (अंग्रेजी) एवं विद्यालय सहायक गिरधारी लाल मूंड बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इस कारण इनको तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए गए। कार्यवाहक प्राचार्य द्वारा प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की कार्य योजना तैयार नहीं की गई और इनके द्वारा सघन प्रवेशात्सव अभियान की कोई मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है। इनके द्वारा वर्तमान तक प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के तहत् नव प्रवेश कराने हेतु कोई प्रगति भी प्रस्तुत नहीं की गई।

काकड़ा में हाउस होल्ड सर्वे का निरीक्षण

नोखा, (निसं)। यहा काकड़ा के शहीद कांस्टेबल बजरंगलाल राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में चल रहे हाउस होल्ड सर्वे (पारिवारिक सर्वेक्षण) की सटीकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आज विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण प्रशासनिक अधिकारी प्रिंसिपल श्रीकृष्ण पांडिया और प्रिंसिपल पूनमचंद तंवर ने किया।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह जांचना था कि सर्वेक्षक घर-घर जाकर वास्तविक डेटा एकत्र कर रहे हैं या नहीं। प्रधानाध्यापक राकेश पारीक ने बताया कि इस दौरान अधिकारियों ने फील्ड में तैनात टीम के सदस्यों से मुलाकात की और उनके द्वारा भरे गए डेटा की क्रॉस-चेकिंग की।

अधिकारियों ने सर्वे के दौरान निवासियों को आ रही समस्याओं और उनके सहयोग के स्तर का भी जायजा लिया। प्रिंसिपल श्रीकृष्ण पांडिया ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत घरों का कवरेज सुनिश्चित किया जाए। इससे आगामी विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर निर्मला गहलोत, पूर्णपुरी, नीरज, पूजा तिवाड़ी, मनीषा यादव, अनिता चौधरी, तुलसी, शांति, संतोष और शायरी सहित अन्य अध्यापकगण व अभिभावक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी

विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की जानकारी देती न्यायधीश वामिता सिंह

बीकानेर,(निसं)। आरएसवी हायर सेकेंडरी स्कूल के ऑडिटोरियम में आज न्याय विभाग द्वारा आयोजित ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूसडे श्रृंखला के अंतर्गत फैमिली कोर्ट 2 की न्यायाधीश वामिता सिंह ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, विद्यार्थियों के अधिकार एवं विद्यार्थी कैसे सुरक्षित रहें, की जानकारी बड़े ही सहज रूप से प्रदान की।

विद्यार्थियों को गुड टच बेड टच, साइबर सिक्योरिटी- जैसे अवांछित मेल, इंस्टाग्राम तथा व्हाट्सएप मैसेज

■ विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, विद्यार्थियों के अधिकार एवं विद्यार्थी कैसे सुरक्षित रहें, की जानकारी बड़े ही सहज रूप से प्रदान की

को इग्नोर करना जिन व्यक्तियों को जानते नहीं उनके संदेशों पर किसी प्रकार का रिप्लाई नहीं करना, सोशल मीडिया पर दिए जा रहे विभिन्न प्रलोभनो से बचाना, अपने तथा अपने परिवार की व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ भी साझा नहीं करना, रास्ते में किसी भी अपरिचित व्यक्ति से बात नहीं करना तथा अपरिचित से कोई वस्तु ग्रहण नहीं करना आदि के बारे में समझाया गया। यदि इसी प्रकार का साइबर फ्रॉड हो तो उसकी जानकारी

किन नंबरों पर देनी है तथा इससे किस प्रकार बचाना है आदि की जानकारी प्रदान की गई। विद्याथिर्यों को किसी भी व्यक्ति या अपने किसी साथी के दबाव में नहीं आना है, यदि इस प्रकार की कोई समस्या है तो तुरंत इस संदर्भ में अपने माता-पिता तथा अध्यापक को बिना झिझक बताया जाए जिससे समस्या का समाधान त्वरित गति से हो सके।

न्यायाधीश ने विद्याथिर्यों को बताया कि यदि आपका कोई साथी गुमसुम है तथा उसके व्यवहार में परिवर्तन आ रहा है तो उससे उसका कारण जानने का प्रयास करें तथा अभिभावक एवं अध्यापक भी सहानुभूति पूर्ण व्यवहार करते हुए विद्यार्थी की समस्या का समाधान करें।

विद्यालय में इस प्रकार की समस्याओं के समाधान हेतु समितियां भी बनी होती हैं जो गंभीरता से समस्याओं का निराकरण करती हैं। विशेष परिस्थितियों में कानूनी सहायता भी प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र भटनागर ने आभार व्यक्त करते हुए न्याय विभाग की इस पहल को अत्यंत सराहनीय तथा विद्याथिर्यों के हित में उठाया गया एक गंभीर कदम बताया। इससे हमारे युवा पीढ़ी को अपने अधिकारों को जानने तथा उनके प्रति सतर्क रहने के लिए भी प्रेरित किया गया।

शिक्षकों ने किया घर- घर जाकर जनसंपर्क

बीकानेर (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,मोतीगढ़ में कार्यरत शिक्षकों-कर्मचारियों ने प्रवेशोत्सव के दूसरे चरण मंगलवार को ग्राम पंचायत मोतीगढ़ में स्कूल के आसपास एवं गांव में घर-घर जाकर विद्यालय प्रवेश योग्य बच्चों को चिह्नित किया व उनके माता-पिता को बच्चों के राजकीय विद्यालय में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया। प्रवेशोत्सव में शिक्षकों ने किया घर घर जाकर अभिभावकों से किया जनसंपर्क। कार्यक्रम अधिकारी मोहर सिंह सलावद ने बताया कि मंगलवार को वार्ड एक एवं तीन में शिक्षक जयसिंह राठौड़, मनमोहन आसेरी, संतोष कुमार जनागल, शारीरिक शिक्षक भजनलाल एवं बीएलओ भंवर सिंह भाटी ने सर्वे किया एवं इस दौरान ग्रामीणों एवं अभिभावकों अभियाभ्वको को राजकीय विद्यालयों में मिलने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व विभिन्न सुविधाओं के साथ सरकारी योजनाओं निःशुल्क साइकिल एवं लैपटॉप विवरण, पाठ्य पुस्तकें, मिड डे मील योजना, गार्गी पुरस्कार, छात्रवृत्ति योजना आदि की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्राचार्य सीमा मैथिल ने बताया है कि पीईईओ क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड एवं घर घर जाने के लिए शिक्षकों के ग्रुप बनाएं गए है जो अभिभावकों को अपने बच्चों का सरकारी स्कूल में प्रवेश करवाने का आव्हान कर रहे है।

जिला कलेक्ट्रेट के बाहर लगे मुर्दाबाद के नारे

■ 250 दिनों से जाति-प्रमाण नहीं बन रहे, अनाज मंडियां बंद करेंगे

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहा श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ में आज धाणका समाज ने प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी दे दी है। दरअसल, धाणका जनजाति संघर्ष समिति जाति प्रमाण-पत्र जारी न होने से गुस्से में है। समिति कलेक्ट्रेट पर कई महीनों से धरना-प्रदर्शन कर रही है। मंगलवार को समिति के लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट के बाहर जमकर नारेबाजी की और प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए।

धाणका जनजाति संघर्ष समिति के सदस्य धर्मेंद्र मौर्या का कहना है कि प्रशसन की इस मनमानी के खिलाफ हम 250 दिनों से धरने पर बैठे हैं। बावजूद इसके प्रशासन लगातार हमारी अनदेखी कर रहा है। जाति प्रमाण-पत्र के अभाव में हमारे बच्चों को परेशान होना पड़ रहा है।

समिति ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उनकी मांगें न मानी गईं तो 15 अप्रैल से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ दोनों जिलों की सभी तहसीलों में अनाज मंडियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। समाज के लोग इनमें काम नहीं करेंगे। इसके बाद भी प्रशासन हमारी मांगे नहीं मानता तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन के लिए तैयार रहे।

धाणका जनजाति संघर्ष समिति का कहना है कि जाति प्रमाण पत्र न मिलने से हमारे बच्चों को आरटीई के तहत स्कूलों में एडमिशन नहीं मिल पा रहे हैं। बीएड और बीएसटीसी में दाखिला रुका हुआ है। गरीब बच्चों को छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल रहा और रोजगार के अवसर भी बंद हो गए हैं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा- यह सिर्फ एक कागज की लड़ाई नहीं है, बल्कि हमारे वजूद और पीढ़ी के भविष्य की लड़ाई है।

एलुमनाई मीट में सौं से अधिक पूर्व छात्र होंगे शामिल

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूसीईटी) द्वारा अपने प्रथम एलुमनाई मीट का आयोजन किया जा रहा है। बीटीयू के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि यूसीईटी के प्राचार्य डॉ परबंत सिंह संधू, डीन एलुमनाई अफेयेर्स डॉ ममता शर्मा पारीक एवं एसोशिएट डीन एलुमनाई अफेयेर्स डॉ गायत्री शर्मा के संयोजन में आयोजित होने वाली इस मीट में 100 से अधिक पूर्व छात्र (एलुमनाई) अपने परिवारजनों सहित इस आयोजन में सम्मिलित होंगे। आयोजन समिति द्वारा यूसीईटी के विद्याथिर्यों की आमंत्रण भी भेजा गया है। वर्तमान में ये सभी विद्यार्थी एलुमनाई वर्तमान में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों, प्रशासनिक सेवाओं, इंजीनियरिंग, प्रबंधन एवं तकनीकी क्षेत्रों में अच्छे पदों पर कार्यरत हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मृदुल कच्छवाह-पुलिस अधीक्षक बीकानेर, विशिष्ट अतिथि आशीष अग्रवाल-निदेशक भीकाराम चांदमल ग्रुप बीकानेर और कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो अखिल रंजन गर्ग कुलगुरु बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय करेंगे। कार्यक्रम के दौरान एलुमनी और वर्तमान छात्रों के बीच प्रेरक संवाद सत्र और नेटवर्किंग सेशन भी आयोजित होगा जिसमें परस्पर करियर मार्गदर्शन और अनुभव साझा किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन संस्थान और उसके पूर्व छात्रों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अतः उन्होंने सभी पूर्व छात्रों से इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

कुलगुरु प्रो अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि प्रथम बार हो रही इस एलुमनाई मीट को लेकर हम सभी उत्साहित है। एलुमनाई मीट विश्वविद्यालय और पूर्व छात्रों के बीच ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का सशक्त मंच है। यह आयोजन न केवल पूर्व विद्याथिर्यों को आपसी मेल-जोल के स्वर्णिम अवसर प्रदान करेगा।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया निरीक्षण

बीकानेर (निसं)। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती शैलजा पांडे ने मंगलवार को जिला परिषद के कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने शाखावार निरीक्षण करते हुए प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी से व्यक्तिगत संवाद करके उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कार्यालय की सफाई व्यवस्था को और अधिक सशक्त करने तथा आवंटित कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्रीमती पांडे ने क्वालिटी कंट्रोल लैब की कार्यप्रणाली को समझा व आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी ली। उन्होंने रिकॉर्ड संधारण पर विशेष निर्देश देते हुए कहा कि समस्त अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें।

आंशिक नहरबंदी में पूर्ण नहरबंदी के हालात 27 से पानी बंद, कट लगाने में बिताए 6 दिन

बीकानेर,(निसं)। यहा इंदिरा गांधी नहर परियोजना में आंशिक नहरबंदी के दौरान सप्लाई किया जाने वाला 2000 क्यूसेक पानी नहीं छोड़ा जा सका। इससे आंशिक नहरबंदी के शुरू होते ही पूर्ण नहरबंदी जैसे हालात बन गए हैं। सरहिंद फीडर और इंदिरा गांधी नहर में एक कट लगाने के लिए हरिके से पानी बंद किया गया था। सोमवार रात तक पानी छोड़े जाने की संभावना है, लेकिन इसे नहर के अंतिम छोर तक पहुंचने में दो से तीन दिन लगेंगे। तब तक प्रदेश में पूर्ण नहरबंदी का समय नजदीक आ जाएगा।

दरअसल, 27 मार्च से शुरू हुई 15 दिवसीय आंशिक नहरबंदी की शर्तों के तहत पेयजल के लिए निरंतर पानी मिलना था। यह पानी सरहिंद फीडर के रास्ते आता है, जहां पंजाब सीमा पर एक कट लगाया जाना था। सामान्यत: यह काम 24 घंटे में पूरा हो जाता है, लेकिन इस बार इसमें 6 दिन लग गए। इस देरी के कारण हरिके से आने वाला 2000 क्यूसेक पानी पूरी तरह बंद रहा। परिणाम स्वरूप, शहरों ने पूर्ण नहरबंदी के लिए जमा किए गए स्टॉक से ही काम चलाया।

ज्यादातर शहरों में पानी की क्षमता 15 से 20 दिन के बीच ही है। ऐसे में संकट काल में नहरों में पानी भरने की योजना नहर विभाग बना रहा है। बीकानेर शहर के लिए गजनेर लिफ्ट और कंवरसेन लिफ्ट में पानी भरा जाएगा। हालांकि ज्यादातर इस पानी को ग्रामीण क्षेत्र की स्कीमों में दे दिया जाता है। कुछ लोग चोरी भी कर लेते हैं। ऐसे में इस पानी पर शहर का हक कमजोर हो जाता है। शहर के दोनों विधायक चुप हो गए तो ग्रामीण क्षेत्र के विधायक इस पानी को खींचकर ले जाएंगे। बीछवाल और शोभासर जलाशय में 15 से 20 दिन का पानी शेष है। ये जलाशय 2022 की आबादी के अनुसार बने थे, जबकि 2026 में मांग काफी बढ़ चुकी है। कानासर नहर और डिग्गियों में 15 से 25 दिन का पानी जमा हो सकता है। यहां भी महीने भर की नहरबंदी के दौरान एक दिन छोड़कर सप्लाई की जाती है। भंडारण क्षमता 10 से 15 दिन है, लेकिन नहर और एस्केप चैनल अधिक होने के कारण पेयजल का संकट कम रहता है।

वन हेल्थ के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे : जोशी

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सेमिनार को संबोधित करते रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन राजेन्द्र जोशी।

■ विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सेमिनार आयोजित

बीकानेर, (निसं)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, बीकानेर ब्रांच एवं राजकीय ट्रॉमा सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का विषय 'स्वास्थ्य सुरक्षा: हमारा अधिकार' रखा गया, जिसमें स्वास्थ्य जागरूकता, आपातकालीन चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य पर विस्तृत चर्चा हुई।

सेमिनार के मुख्य अतिथि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी बीकानेर के चैयरमेन, वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है तथा रेडक्रॉस जैसी संस्थाओं की भूमिका इसे सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण है।जोशी ने कहा कि वन हेल्थ को मध्य नजर रखते हुए व्यक्ति-प्रकृति और पशु-पक्षियों और जानवरों तीनो का स्वस्थ रहने चाहिए। जोशी ने कहा कि इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षत राजकीय ट्रॉमा सेंटर के निदेशक डॉ. बी.एल. खजोटिया ने ट्रॉमा केयर एवं प्राथमिक उपचार पर विशेष व्याख्यान देते हुए स्वास्थ्य शिक्षा, महामारी रोकथाम, पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। प्रारंभ में चिकित्सा अधिकारी डॉ.के. एल.कपिल ने प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण पर विस्तार से बात रखी।

सेमिनार में डॉ.विक्रांत, डॉ.राजेन्द्र और डॉ.कासिम ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, चिकित्सक एवं छात्र शामिल हुए। डॉ.नासिर जैदी ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।अंत में, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। सोसायटी ने आगामी वर्षों में ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी प्रबन्धन पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी प्रबन्धन पर जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते सहायक निदेशक मुकेश गहलोत।

■ कृषकों को गुलाबी सुण्डी के प्रबन्धन विषय पर निःशुल्क पम्पलैट व साहित्य वितरण के साथ ही प्रभावी मोनिटरिंग हेतु फेरोमोन ट्रैप वितरण किया गया

बीकानेर, (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बीटी कॉटन में लगने वाले गुलाबी सुंडी रोग से बचाव के लिए, प्रकोप के निगरानी, नियंत्रण के संबंध में जानकारी दिए जाने के क्रम में कृषि विभाग द्वारा मंगलवार को कपास फसल में गुलाबी सुण्डी कीट के प्रबन्धन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आत्मा सभागार कृषि भवन बीकानेर में आयोजित की गई।

इसी प्रकार की कार्यशालाएं उत्तरोत्तर ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम के रूप में आयोजित की जानी हैं। इसी क्रम में कृषि अधिकारियों, प्रगतिशील कृषकों व जीनिंग मील मालिकों, कृषि आदान विक्रेता, सीड्स कम्पनी प्रतिनिधि को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित की गई।

उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि गत कुछ वर्षों से कृषि विभाग द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक रूप से किया जा रहा है, जिससे गुलाबी सुण्डी का प्रभावी नियंत्रण हुआ व इसी का परिणाम रहा कि जिले में बीटी कपास का क्षेत्रफल व उत्पादन बढ़ा है। संयुक्त निदेशक (कृषि) मदनलाल ने बताया कि कॉटन की बुवाई से पूर्व कॉटन जिनिंग मिलों के मालिक तथा किसान बीटी कॉटन के अवशेष प्रबंधन के लिए जिनिंग उपरान्त अवशेष सामग्री को नष्ट किया जाना नितांत आवश्यक था जिससे समुचित रूप से कीट का प्रबंधन किया जा सकें। किसान बीटी कॉटन की लकडियों का प्रबंधन सही तरीके से करें, ताकि गुलाबी सुण्डी के प्रकोप को शुरूआती अवस्था में ही रोका जा सके। कृषकों को गुलाबी सुण्डी के प्रबन्धन विषय पर निःशुल्क पम्पलैट व साहित्य वितरण के साथ ही प्रभावी मोनिटरिंग हेतु फेरोमोन ट्रैप वितरण किया गया। परियोजना निदेशक (आत्मा) बीएल डाबला ने बीटी कपास की फसल की पैकेज आफ प्रैक्टिसेज से किसानों को अवगत कराया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिक डॉ वी एस आचार्य ने बीटी कपास में कीट व्याधि नियंत्रण पर प्रकाश डाला तथा किसानों से कपास फसल में सिंचाई व उर्वरक प्रबंधन पव विस्तार से चर्चा की।

गौशाला संचालकों की ट्रेनिंग और संवाद कार्यक्रम

■ अनुदान और पंजीयन प्रक्रिया समझाई, समस्याओं पर हुआ संवाद

अरजनसर,(निसं)। यहा गोपालन विभाग बीकानेर एवं बीकानेर गोशाला संघ के संयुक्त देखरेख में जैतपुर स्थित गोपीनाथ गौशाला में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गोशाला संचालकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और उनकी समस्याओं पर विचार-विमर्श कर समाधान निकालना रहा।

कार्यक्रम में पशुपालन विभाग बीकानेर संभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. कुलदीप चौधरी, संयुक्त निदेशक डॉ. बिरमाराम, गोपालन विभाग के प्रभारी अधिकारी गोपाल सिंह नाथावत, गौशाला संघ अध्यक्ष सूरजमल सिंह नीमराणा एवं नोडल अधिकारी लखनपाल सहित विभिन्न गोशालाओं से जुड़े कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गौशाला संघ के महामंत्री निरंजन सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीकानेर गोशाला संघ वर्ष 2012 से लगातार गोशालाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। यह 95वां प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम है, जिसकी शुरुआत 5 अप्रैल से की गई थी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान नई गोशालाओं को सरकारी अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया, गोशाला पंजीयन, गौशाला विकास योजना, पंचायत समिति स्तरीय नंदीशाला योजना और ग्राम पंचायत स्तर पर पशु आश्रय स्थल योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही गोशाला संचालकों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए सुझाव भी साझा किए गए।

कार्यक्रम में लक्ष्मीनारायण औझा, विक्रम सिंह राठौड़, गोपाल दास स्वामी, दुलाराम जस्सू, आईदान सिंह, कमल शर्मा, दलीप खोड, सुशील बाघला, उमाशंकर पंचारिया और दलीप राठी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।